प्रश्न 23. कविता संग्रहमे संकलित रचनाक आधार पर प्रो0 तन्त्रनाथ झा कैँ साहित्यिक परिचय दिअ ।

उतर - *प्रो0 तन्त्रनाथ झा कैँ विशिष्ट साहित्यि साधनाक लेल 1979 ई0 मे कृष्ण - चरित महाकाव्य पर साहित्य आकादमी पुरस्कार भेटलनी । हिनक जन्म 22 अगस्त 1909 ई0 कैँ भेलनि । हिनक पैतृक गाम धर्मपुर (उजान) । छलन्हि । प्रो0 तंत्रनाथ झा अर्थशास्त्रक प्रध्यापक चंद्रधारी मिथिला विश्वविधालय दरभंगा छलाह । प्रो0 झा जीवन पर्यन्त काव्य साधना मे लागल रहला । हिनक निधन 4 मई 1984 ई0 कैँ वाराणसीमे भेलनि । प्रो0 तंत्रनाथ झा महाकाव्य , मुक्तककाव्य एवं एकांकी लेखनमे सिध्दहस्त छलाह । किछु सरस निबंध , संस्कृत , साहित्यसँ मैथिलीमे अनुवाद ,*

लघु कथा एंव तिरहुता लिपिमे बालोपयोगी कथाक सेहो रचना कैलनी । आधुनिक कालमे मैथिली कें सरकार ओ विस्वविधालय दुवारा मान्यता दिअयबाक लेल संघर्षमे सतत सक्रिय सहयोगी रहलाह वर्षा - घोषक किछु पंक्ति द्रष्टव्य थिक -

गाबह बेड़ गबाह , करह कलगान अपन

जे कें जुड़ाए लैह , करह सिहन्ता पूर

के करबक लोक लए?

ठनकासँ बहीर लोकक कानमे

कथी लए कनेको करैत असरि

कतबो कए प्रयास करबह तों कर्कश नाद ।

किन्तु हे मण्डूक !

देखह कतराक झाड़ लग

दबकल कैँ चुआएल ढोंढ

प्रसन्न छहु गान सुनि

तकय छहु तोहरहि दिशि ।